
Shri Bhagavati Stutih

श्रीभगवतीस्तुतिः

Document Information

Text title : bhagavatIstutiH 2

File name : bhagavatIstutiH2.itx

Category : devii, stuti, dvAdasha

Location : doc_devii

Author : shrIpottoppuraM keshavan jayantan

Transliterated by : D.K.M.Kartha

Proofread by : D.K.M.Kartha

Acknowledge-Permission: shrIpottoppuraM keshavan jayantan

Latest update : April 28, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

April 28, 2024

sanskritdocuments.org



श्रीभगवतीस्तुतिः



अथि शिवनन्दिनि, सज्जनपालिनि, श्री भवतारिणि, रक्षय मां
वरगतिदायिनि, विघ्नविनाशिनि, सुन्दररूपिणि, देवि नमो ।
दरदविनाशिनि, कल्मषनाशिनि, देववरप्रियनन्दिनि, भो
जय जय दारिकमर्दिनि, धूर्जटधारिणि, शाश्वति, पालय माम् ॥ १ ॥

कुवलयलोचनि, कालमहेश्वरि, जाह्ववि, गोपिनि, विश्वकरी
हरिहरमोदिनि, रुक्मिणि, भैरवि, चण्डविनाशिनि, मुण्डरिपो ।
बहुजनसेविनि, दुर्मदशोषिणि, विश्वसुरक्षिणि, देवि नमो
जय जय दारिकमर्दिनि, धूर्जटधारिणि, शाश्वति, पालय माम् ॥ २ ॥

जनहितकारिणि, भक्तसुरक्षिणि, शुम्भनिशुम्भविनाशिनि भो
कलियुगशोषिणि, सुन्दररूपिणि, दुःखनिवारिणि, देवि नमो ।
गणपतिसोदरि, षण्मुखलालिनि, शैलजनन्दिनि, श्री जगदे
जय जय दारिकमर्दिनि, धूर्जटधारिणि, शाश्वति, पालय माम् ॥ ३ ॥

हरिहरसूनुसहोदरि, भैरवभामिनि, सत्वगुणाधिपते
जय जय हे तव, भारति, उर्वशि, तीक्ष्णसुदर्शिनि, देविनुते ।
जलमुचशोभिनि, असुरनिषूदिनि, भीतिविनाशिनि, शक्तिसुते
जय जय दारिकमर्दिनि, धूर्जटधारिणि, शाश्वति, पालय माम् ॥ ४ ॥

शिवजटसम्भवदेवि, सुहासिनि, मोक्षसुदायिनि, भानुमते
बहुजनपूजितमाधविमोहिनि, दीर्घसुकेशिनि, पालय माम् ।
सुरकुलवन्दिनि, विष्णुसुरक्षिणि, उत्तमसुन्दरि, रक्षतु मां
जय जय दारिकमर्दिनि, धूर्जटधारिणि, शाश्वति, पालय माम् ॥ ५ ॥

तिलसमनासिकवाहमहेश्वरि, खड्गिनि, शूलिनि, देवि नमो
कनककिरीटिनि, सज्जनतोषिणि, पङ्कजधारिणि, पालय माम् ।
दुरितनिवारिणि, वत्सलभाषिणि, हार्दसुहासिनि, अम्ब नमो
जय जय दारिकमर्दिनि, धूर्जटधारिणि, शाश्वति, पालय माम् ॥ ६ ॥

गुरुवरनन्दिनि, वेदविवर्द्धिनि, वीरसुरक्षिणि, अम्ब नमो
महिषविमर्दिनि, नादविशेषिणि, सुन्दरि, जानकि पालय माम् ।
कलियुगकारिणि, कामविमोचनि, सज्जनपोषिणि, मेदिनि भो
जय जय दारिकमर्दिनि, धूर्जटधारिणि, शाश्वति, पालय माम् ॥ ७ ॥

रजनिचरासुरनाशिनि, श्वेतसुवाससधारिणि, देवि नमो
जय जय हे शिवनन्दिनि, राजस-सात्विक-तामस भावकरे ।
गिरिवरवासिनि, दक्षविनाशिनि, सुन्दररूपिणि, श्रीसरसे
जय जय दारिकमर्दिनि, धूर्जटधारिणि, शाश्वति, पालय माम् ॥ ८ ॥

जननविचेष्टितपञ्चतदायिनि, श्रीहरपुत्रि, सनातनि भो
जननविधायिनि, मारणमोचिनि, भावनकारिणि, देवि नमो ।
करुणरसावह, षण्मुखसोदरि, सारसवासिनि, कामिनि भो
जय जय दारिकमर्दिनि, धूर्जटधारिणि, शाश्वति, पालय माम् ॥ ९ ॥

यजफलदायिनि, विष्णुविमोहिनि, पूर्वविलासिनि, योगनिधे
करुणरसावहशम्भुविमोहिनि, षड्गुणपूर्णमनस्विनि भो ।
जगदभिलाषिणि, स्वर्गविधायिनि, भूतलरक्षिणि, देवि नुते
जय जय दारिकमर्दिनि, धूर्जटधारिणि, शाश्वति, पालय माम् ॥ १० ॥

भुवपरिपालिनि, पार्वतिनन्दिनि, विष्णुमहेश्वरि, शाम्भवि भो
जनिनिधनावनमोक्षसुदायिनि, नादविधायिनि, मर्त्यनुते ।
हितवरदायिनि, निग्रहकारिणि, मर्त्यसुरक्षिणि, विश्वनुते
जय जय दारिकमर्दिनि, धूर्जटधारिणि, शाश्वति, पालय माम् ॥ ११ ॥

अनुगुणभामिनि, भाग्यविधायिनि, भासुरकारिणि, देवि नुते
अहमतिनाशिनि, धी वरदायिनि, भूतलमोदिनि, भद्रकरे ।
असुरजनार्दिनि, नित्यनिरामयि, सत्यविचेष्टिनि, नेतृमते
जय जय दारिकमर्दिनि, धूर्जटधारिणि, शाश्वति, पालय माम् ॥ १२ ॥

इति श्रीपोत्तोप्पुरं केशवन् जयन्तन्विरचिता श्रीभगवतीस्तुतिः समाप्ता ।

Comments by D.K.M. Kartha

१. हरिहरसूनुसहोदरि
२. षण्मुखसोदरि

३. गणपतिसोदरि

I think the poet is envisioning Devi as Durga, who according to some legends is Lord Shiva's daughter as she was born from the Lord's Matted Hair when He hit the ground with the JaTa in Divine Rage. It might be just a Malayali local belief. If that is the case, then She is a sister to GaNESa, ShaNmukha, and Ayyappa (Hariharasoonu)– all sons of Shiva. sOdari is not literally true as She was not born from PARvati, but if we take sOdari to mean sister, then it works.

४. भासुरकारिणि Bhāsura :-[noun] the quality of being attractive; charm; beauty.

५. असुरजनादिनि? Tormentor of asura-s

अर्दन पुल्लिंग १. पी.डन। २. वध.

६. दारिकमर्दिनि

dArika and bhadrakAli legend is, I believe, a Malayali legend about a demon and the Goddess. Many of the ritual arts of Kerala are based on dArikavadhaM.

(From Wikipedia :

Darika is a character in Mudi yettu, a ritualistic dance from the Bhagavathi or Bhadrakali worship, usually performed only in the Kali temples of Kerala. The story is also known as "Darika vadham, or killing of Darika."

In the story, Brahma granted immunity from death at the hands of any man to two of the fiercest Asuras, Darika and Danavendra, but with a curse that a woman would kill them. The two grew powerful and became a threat for the gods and godly men. After several attempts by the gods to defeat them, Lord Siva created Bhadrakali following the design given by Narada. All the Devas donated their special weapons, and Bhadrakali succeeded in destroying the demons after a fierce battle.)

Encoded, proofread, and notes by D.K.M.Kartha

Shri Bhagavati Stutih

pdf was typeset on April 28, 2024

Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

